हरिभूमि
हिसार-हांसी भूमि
रोहतक, सोमवार 26 अक्टूबर 2026

11 राखीगढ़ी महोत्सव हमारी प्राचीन और समृद्ध...



12 कुलेरी में श्रद्धा-उत्साह से मना भगवान वाल्मीकि...



खबर संक्षेप

पीरांवाली में 17.150 ग्राम हेरोइन सहित युवक काबू

हिसार। एंटी नारकोटिक सेल की टीम ने शहर के पीजीएसडी स्कूल के पास से एक युवक को हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान पीरांवाली निवासी बलदेव के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, उसके कब्जे से 17 ग्राम 150 मिलीग्राम हेरोइन बरामद हुई है, जिसकी कीमत करीब 90 हजार रुपये बताई जा रही है। मौके से आरोपी की मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है। जानकारी के अनुसार, एंटी नारकोटिक सेल की टीम इलाके में गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को नशा तस्करी से संबंधित गुप्त सूचना मिली। सूचना के आधार पर टीम ने पीजीएसडी स्कूल के पास कार्रवाई करते हुए मोटरसाइकिल सवार युवक को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके पास से हेरोइन बरामद हुई।

बिना नंबर प्लेट की चोरी की बाइक के साथ 1 काबू

हांसी। बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल लेकर घूम रहे युवक को एवीटी स्टाफ ने चेकिंग के दौरान पकड़ लिया। बाइक के चेसिस और इंजन नंबर की जांच की गई तो खुलासा हुआ कि मोटरसाइकिल रोहतक से चोरी हुई थी। पुलिस ने बाइक कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। एवीटी स्टाफ की टीम जींद-हांसी रोड पर सिसाय मोड़ के पास गगनखेड़ी बस स्टैंड पर चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल पर सवार युवक को रुकने का इशारा किया गया। लेकिन युवक रुकने की बजाए बाइक पीछे मोड़कर भागने लगा, तभी उसे पकड़ लिया।

अग्रोहा के वार्षिक मेले में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल

महाराजा अग्रसेन के आदर्श सामाजिक समरसता की मजबूत नींव : कविंदर गुप्ता

अग्रोहा की पावन भूमि पर आना गौरव की बात, सेवा-सहयोग और समानता का संदेश पूरे देश के लिए प्रासंगिक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल कविंदर गुप्ता ने कहा है कि अग्रोहा की ऐतिहासिक और पावन भूमि पर तीसरी बार आना उनके लिए गौरव का विषय है। यह भूमि महाराजा अग्रसेन जी के महान व्यक्तित्व और उनके लोककल्याणकारी विचारों से जुड़ने की प्रेरणा देती है। महाराजा अग्रसेन के आदर्श केवल अग्रवाल समाज तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ये पूरे भारतीय समाज की अमूल्य धरोहर हैं। सेवा, समानता, सहयोग और सामाजिक समरसता का उनका संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है। राज्यपाल ने कहा कि महाराजा अग्रसेन जी की एक ईंट-एक रुपया की परंपरा हमें सिखाती है कि जब प्रत्येक व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुसार योगदान देता है, तो सामूहिक सहयोग से समाज की बड़ी से बड़ी जरूरत पूरी की जा सकती है। इस परंपरा का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों को सहयोग देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना और सम्मानपूर्वक जीवन शुरू करने का अवसर प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि अग्रवाल समाज की यह भावना सामाजिक उत्तरदायित्व और परस्पर सहयोग का उत्कृष्ट उदाहरण है। समाज की प्रगति तभी सार्थक है, जब व्यक्तिगत सफलता के साथ सामाजिक जिम्मेदारी भी जुड़ी हो।

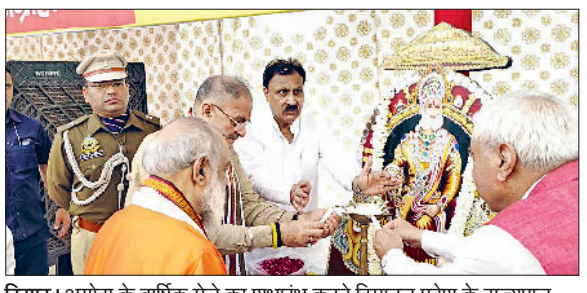

हिसार। अग्रोहा के वार्षिक मेले का शुभारंभ करते हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल कविंदर गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग गर्ग व अन्य। फोटो : हरिभूमि



हिसार। कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल को सम्मानित करते अग्रोहा धाम के कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग दास गर्ग। फोटो : हरिभूमि

दूरदर्शी समाज सुधारक थे महाराजा अग्रसेन

अग्रोहा में वार्षिक मेला के अवसर पर उपस्थितजन को संबोधित करते हुए राज्यपाल कविंदर गुप्ता ने कहा कि महाराजा अग्रसेन एक महान शासक होने के साथ-साथ दूरदर्शी समाज सुधारक भी थे। राज्यपाल ने कहा कि किसी भी समाज की वास्तविक शक्ति केवल उसकी आर्थिक संपन्नता में नहीं, बल्कि संवेदनशीलता और कमजोर वर्गों के प्रति उसकी जिम्मेदारी में भी निहित होती है। अग्रवाल समाज ने व्यापार, उद्योग, शिक्षा, चिकित्सा और सामाजिक सेवा के क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। समाज द्वारा विद्यालयों, अस्पतालों, धर्मशालाओं, गोशालाओं और जनकल्याणकारी संस्थाओं के माध्यम से किए जा रहे कार्य परोपकार की परंपरा को मजबूत करते हैं।

वार्षिक समारोह में सुबह से ही उमड़ी भीड़

वार्षिक समारोह में सुबह से ही आने जाने वालों का ताता लगा रहा। ध्वजारोहण पूर्व राज्यसभा सांसद एवं एस्सल ग्रुप के चेयरमैन डॉ. सुभाष चंद्र व अग्रोहा धाम के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने किया। मेले का शुभारम्भ तड़के शक्ति सरोवर स्नान व मंदिर की आरती से हुआ। मंदिरों के दर्शन करवाने के लिए महिलाओं की टीमें लगी हुई थी। ट्रेड फेयर मेला आकर्षण का केंद्र बना हुआ था। मंदिरों में दर्शन के लिए भक्तों की बहुत लंबी लाइन लगी हुई थी। शक्ति सरोवर में हजारों महिला व पुरुष ने स्नान किया। गाजे-बाजे के साथ महिला कलश यात्रा मंदिर के प्रांगण से निकाली गई। इस अवसर पर जगतगुरु ब्रह्मर्षी कुमार स्वामी, पंजाब मंत्री बिरेंद्र गोयल, भजन सम्राट अंजनी द्विवेदी, बीरेन्द्र गोयल आदि उपस्थित रहे।



हिसार। पकड़े गए तीनों आरोपी।

दुकान से तेल के पांच टीन चोरी करने के आरोप में तीन गिरफ्तार

हिसार। नई सब्जी मंडी क्षेत्र की एक दुकान से रिफाइंड तेल के पांच टीन चोरी करने के मामले में एचटीएम थाना पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया तेल और वारदात में इस्तेमाल ई-रिक्शा भी बरामद किया है। आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

मामले में ढाणी श्यामलाल निवासी दीपक शर्मा ने पुलिस को शिकायत देकर बताया था कि उनकी दुकान से कोई व्यक्ति रिफाइंड तेल के पांच टीन चोरी कर ले गए हैं। दुकान में हुई चोरी का पता चलने पर उन्होंने सीसीटीवी फुटेज की जांच की, जिसमें वारदात का खुलासा हुआ। इसके बाद शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान सहायक उप निरीक्षक वीरेंद्र की टीम ने कार्रवाई करते हुए बालसमंद रोड स्थित हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गेट नंबर दो के सामने से तीन आरोपियों को काबू किया। इनकी पहचान चंदन नगर निवासी परमजीत उर्फ पम्मी, सौरभ व रावलवास खुर्द निवासी आशीष के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए रिफाइंड तेल के पांच टीन और वारदात में इस्तेमाल किया गया ई-रिक्शा बरामद किया है।

माइनर टूटने से खेतों में भरा पानी, गाजर की फसल डूबी



हिसार। माइनर टूटने से डूबी गाजर की फसल।

- छह महीने से सफाई नहीं होने का आरोप, नई बोई सरसों भी पानी में डूबी
- किसान बोले : समय पर पानी नहीं निकला तो बढ़ेगा नुकसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बरवाला

बरवाला क्षेत्र में जुगलान माइनर में दरार आने से किसानों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। माइनर से निकला पानी आसपास के खेतों में भर गया, जिससे गाजर और सरसों की फसल प्रभावित हुई है। एक किसान की दो एकड़ में तैयार होने के करीब पहुंची गाजर की फसल डूबने से करीब दो लाख रुपये के नुकसान की आशंका है। वहीं, दो दिन पहले बोई गई सरसों की फसल भी खराब होने का खतरा पैदा हो गया है।

प्रभावित किसानों ने माइनर की तुरंत मरम्मत करवाने और खेतों से पानी निकालने की मांग की है। बताया जा रहा है कि पीछे से पानी का बहाव आने के दौरान दबाव बढ़ने से माइनर में दरार आ गई और पानी खेतों में फैल गया। माइनर के टूटने की सूचना कैनाल गार्ड सोनू ने संबंधित अधिकारियों को दी। घटना के बाद किसानों को अपनी फसलों की चिंता सताने लगी है। कैनाल गार्ड सोनू के मुताबिक, माइनर की करीब छह महीने से सफाई नहीं हुई थी। इसमें कचरा जमा होने के कारण पानी का दबाव बढ़ा और माइनर टूट गई। दूसरी ओर, किसानों का कहना है कि चूहों ने तटबंधों में बिल बना रखे हैं, जिससे वे कमजोर हो गए हैं। हालांकि, माइनर टूटने के कारणों की आधिकारिक पुष्टि सामने नहीं आई है। किसान कमल ने बताया कि उसने दो एकड़ में गाजर की फसल बोई थी, जो लगभग तैयार हो चुकी थी। माइनर का पानी खेत में भरने से फसल को भारी नुकसान पहुंचने की आशंका है। कमल के अनुसार, उसे करीब दो लाख रुपये का नुकसान हो सकता है। किसान सुनील ने बताया कि उसने महज दो दिन पहले सरसों की बुवाई की थी। खेत में पानी भरने से बीज खराब होने की आशंका है। उसने बताया कि इस नुकसान से उसे करीब 15 से 20 हजार रुपये की चपत लग सकती है। सुनील के मुताबिक, यदि सरसों की बुवाई दोबारा करनी पड़ी तो समय निकल जाने के कारण ऐसा करना मुश्किल होगा।

किसानों ने की मरम्मत और पानी निकासी की मांग

माइनर टूटने से खेतों में जमा पानी किसानों के लिए बड़ी परेशानी बन गया है। किसानों का कहना है कि यदि जल्द पानी नहीं निकाला गया तो फसलों को और नुकसान हो सकता है। उन्होंने संबंधित विभाग से माइनर की दरार को तुरंत ठीक करवाने, खेतों से पानी निकालने और माइनर की सफाई सुनिश्चित करने की मांग की है।





खेलों में हरियाणा

भारतीय खेलों में हरियाणा का स्थान अत्यंत प्रमुख और अग्रणी है। देश की कुल आबादी का केवल लगभग 2 प्रतिशत हिस्सा होने के बावजूद, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के अधिकांश पदक इसी राज्य से आते हैं। ओलंपिक खेलों में भारत द्वारा जीते जाने वाले कुल पदकों में से आधे से अधिक पदक हरियाणा के खिलाड़ियों के नाम होते हैं। नीरज चोपड़ा, साक्षी मलिक, विनेश फोगाट, रवि कुमार दहिया और बजरंग पूनिया जैसे कई बड़े खिलाड़ियों का संबंध हरियाणा से है।

हरियाणवी लोकगीतों में राष्ट्रीय चेतना के स्वर

लोक की अनूठी संपदा लोकगीतों का कोई ओर-छोर नहीं है। लोक जहां बहता हुआ जल है, वहीं लोकगीत उसकी संस्कृति के प्राण हैं, जिनमें जीवंत लोक मानस बसता है। लोक मानस की सरलतम लयात्मक अभिव्यक्ति ही लोकगीत हैं, जिनमें लोक की आत्मा झंकृत होती है।



संस्कृति

सत्यवीर नाहड़िया



देश और दुनिया में अपनी स्वर्णिम सैनिक संस्कृति तथा समृद्ध शहादत परंपरा के लिए विख्यात वीरभूमि हरियाणा की अनूठी लोक संस्कृति में लोकगीतों का अपना विशिष्ट मौलिक महत्व है। जय जवान, जय किसान का प्रतिरूप यह सैन्य प्रदेश भले ही आबादी तथा क्षेत्रफल के आधार पर देश का दो फ़ीसदी के आसपास है, किंतु इसके समृद्ध सैन्य इतिहास का अंदाजा इस पहलू से लगाया जा सकता है कि भारतीय सेना में हर दसवां जवान हरियाणवी है। इसी प्रकार शहादत परंपरा में भी इस वीर प्रसविनी धरा ने उच्च आदर्श एवं कीर्तिमान स्थापित किए हैं। बात चाहे प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की रही हो या पहले व दूसरे विश्व युद्ध की, स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद राष्ट्रव्यापी संघर्ष की रही हो या फिर आजादी प्राप्ति के बाद भारत-चीन की 1962, भारत-पाक के बीच 1965, 1971 व 1999 की लड़ाइयों की रही हो या फिर विभिन्न शांति ऑपरेशंस की हो, हरियाणा के रणबांकुरों ने अपने बलिदान एवं अदम्य साहस से निरंतर इतिहास लिखा है। इस माटी के लोकगीतों में राष्ट्रीय चेतना की इस भावभूमि को सहज ही महसूस किया जा सकता है।

लोकगीत लोक के गीत होते हैं, लोक मानस के गीत, जनमन के गीत, जिनमें लोकाचार लोक विश्वास, लोक परंपराएं, लोकजीवन, लोक मूल्य तथा इन सबसे जुड़ी विस्तृत सांस्कृतिक पृष्ठभूमि अंतर्निहित होती है। यही कारण है कि लोकगीतों का अपना ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक, नैतिक तथा मनोवैज्ञानिक महत्व होता है। लोक की अनूठी संपदा लोकगीतों का कोई ओर-छोर नहीं है। लोक जहां बहता हुआ जल है, वहीं लोकगीत उसकी संस्कृति के प्राण हैं, जिनमें जीवंत लोक मानस बसता है। लोक मानस की सरलतम लयात्मक अभिव्यक्ति ही लोकगीत हैं, जिनमें लोक की आत्मा झंकृत होती है। लोकगीतों के रचनाकार तथा रचना स्थल निर्धारित नहीं होते, क्योंकि वे किसी रचनाकार विशेष की संपदा न होकर समूचे लोक की अनूठी विरासत होते हैं। हरियाणा के लोकगीतों का फलक बेहद विस्तृत व समृद्ध रहा है, किंतु इस आलेख में हम संक्षिप्त एवं प्रतीक रूप में केवल राष्ट्रीय चेतना से जुड़े लोकगीतों की चर्चा करेंगे।

घर-घर फौजी वाले हरियाणा प्रदेश के चप्पे-चप्पे में शहीदों, स्वतंत्रता सेनानियों, जांबाज सैनिकों के अनूठे बलिदान शौर्य और त्याग की मार्मिक कहानी व्याप्त है। आजादी से पहले तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हरियाणा की सैन्य परंपरा ने देश व प्रदेश के सैनिक इतिहास को निरंतर समृद्ध करते हुए अनेक स्वर्णिम अध्याय लिखे हैं,जिसके चलते हरियाणा प्रदेश तथा सैन्य परंपरा एक दूसरे के पर्याय बन गए हैं। इन तमाम तत्वों एवं पहलुओं की पृष्ठभूमि को हरियाणा प्रदेश के लोकजीवन के संस्कारों तथा इन्हीं विषयों पर केंद्रित लोकगीतों से बखूबी समझा जा सकता है। इस वीर प्रसूता धरा के लोकगीतों में कहीं फौज में भर्ती होने की प्रेरणा है, तो कहीं कुल की आन निभाने का संकल्प, कहीं विरह वेदना के मार्मिक शब्दचित्र हैं, तो कहीं शहादत का भावपूर्ण मार्मिक चित्रण। इन लोकगीतों के माध्यम से एक ओर जहां सैनिक परिवार की भावभूमि अक्षरशः चित्रित हुई है, वहीं सैनिक की अर्धांगिनी की सूक्ष्म मानवीय संवेदनाओं और गृह वेदना से जुड़े बहुआयामी पक्षों का जीवंत वर्णन मुखरित हुआ है। इन लोकगीतों की सबसे बड़ी खूबी है कि इनमें किसानी संस्कृति में रचे-बसे सैनिक परिवारों के संघर्ष की प्रेरक गाथा के साक्षात दर्शन होते हैं, जिसके चलते राष्ट्रीय चेतना पर केंद्रित हरियाणवी लोकगीतों को देश व प्रदेश की अनमोल थाती कहा जा सकता है। हरियाणा प्रदेश में देशभक्ति तथा वीरता के संस्कार मां द्वारा घुट्टी में ही दे दिए जाते हैं। यही कारण है कि सैनिक प्रदेश में युद्ध के लिए घर से विदा होते पति की अर्धांगिनी खुद भी बॉर्डर पर चलने की जिद करती है, एक चर्चित लोकगीत में यह भावभूमि कुछ इस प्रकार है-

खाकी बड़दी पहर लई मनै, कर लिया हार सिंगार।
फौज म्हं चालूंगी ओ पिया, ले सारे हथियार।।

इसी प्रकार एक अन्य लोकगीत में नवविवाहिता को विरह वेदना में छोड़कर फौज में भर्ती होने वाले नौजवान पति के प्रति उसकी मार्मिक भावनाएं मुखरित हुई हैं-

हे री मेरी गळ की गळसरी बेच, पति नै घोड़ा ले लिया हे..!
वो तै दूर गया बेपरीता, जाय अंबाळा पोहंचा हे...
उनै गेरा जुबानी तार, माता ए हम तै भरती हो लिया हे..
मेरी सासू बुज्झै बात- बहू तेरा के के लेग्या हे...?
हे मेरा लेग्या हारसिंगार, चैन तै सारा लेग्या हे...

इन लोकगीतों के माध्यम से एक ओर जहां सैनिक परिवार की भावभूमि अक्षरशः चित्रित हुई है, वहीं सैनिक की अर्धांगिनी की सूक्ष्म मानवीय संवेदनाओं और गृह वेदना से जुड़े बहुआयामी पक्षों का जीवंत वर्णन मुखरित हुआ है। इन लोकगीतों की सबसे बड़ी खूबी है कि इनमें किसानी संस्कृति में रचे-बसे सैनिक परिवारों के संघर्ष की प्रेरक गाथा के साक्षात दर्शन होते हैं, जिसके चलते राष्ट्रीय चेतना पर केंद्रित हरियाणवी लोकगीतों को देश व प्रदेश की अनमोल थाती कहा जा सकता है। हरियाणा प्रदेश में देशभक्ति तथा वीरता के संस्कार मां द्वारा घुट्टी में ही दे दिए जाते हैं। यही कारण है कि सैनिक प्रदेश में युद्ध के लिए घर से विदा होते पति की अर्धांगिनी खुद भी बॉर्डर पर चलने की जिद करती है।

दिन की लेग्या भूख, रात की निंदिया लेग्या हे...
मेरा लेग्या हँसना-सुभाव, मनै उदासी दे गया हे...!!

हरियाणा प्रदेश में पड़ोसी देशों के साथ हुए युद्धों पर भी कुछ लोकगीत प्रकाश में आए हैं। एक लोकगीत में एक बहन अपने फौजी भाई से युद्ध में पीछे कदम न हटाने की बात कहकर जोश भरती है -

पापी दुसमन खड्या पहाड़ सा,खड्या-खड्या सब लुट्टै सै...!
म्हारे देस पै हमला कर दिया पापी पाकिस्तान नै..!
मत उलटा हटाइए रै, ओ माँ के जाए बीर...!!

हरियाणा प्रदेश में आर्य समाज का अच्छा खासा प्रभाव रहा है, जिसके चलते यहां के लोकगीतों में आर्य समाज से जुड़ी भावभूमि, राष्ट्रीयता तथा संस्कारों की भावना देखी जा सकती है-

आओ भाणो मिलकै सारी दयानंद की जै बोल्लो...!
आर्य समाज में आया करो, थम धक्के खाती मत डोल्लो...!
देस का मन बढ़ाणा सीखो,
पढ़णा और पढ़ाणा सीखो,
देस-धरम हो सबतै पहलम,
बच्चां नै समझाणा सीखो।
बलिदान नै सीस नवावो,
नहीं भूलकै कम तोल्लो..!
आओ भाणो मिलकै सारी,
दयानंद की जै बोल्लो...!!

इस सैनिक संस्कृति तथा सामाजिक क्रांति की अलख के अलावा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस आदि से से जुड़े अनेक लोकगीत राष्ट्रीय चेतना के पर्याय कहे जा सकते हैं।

हरियाणा के लोकगीतों में शहादत के बेहद मार्मिक पक्ष भावविभोर कर देते हैं। राष्ट्रीय चेतना के सच्चे संवाहक इन लोकगीतों से हरियाणा की वीरभूमि की कुर्बानियों का मर्म सहज ही समझा जा सकता है। एक ऐसे ही लोकगीत की बानगी-

वा काढ़ जनाना,ले मर्दाना,हुई सीम की राही।
बाबूजी मनै पिया मिला दे,सूरत सिंह की ब्याही।
ऐ रोवा मत ना बेटी बावळी, रोया ना करिए। जिसकी खूज्या चीज रेत म्हं,टोह्या ना करिए।
क्यूं ना टोहूं चीज रेत म्हं,हिंद पै ज्यान गँवाई..!
क्यूंकर सबर करूं बाबूजी,सगी नणद का भाई...!!

कुल मिलाकर ऐसे सैकड़ों लोकगीत हरियाणा प्रदेश की सैन्य संस्कृति तथा शहादत परंपरा के प्रमाण होने के साथ पीढ़ी दर पीढ़ी राष्ट्रीय चेतना के अनूठे माध्यम बनाकर इस वीर भूमि की सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध करते आ रहे हैं। राष्ट्रीय चेतना के पक्षधर, पोषक व सजग प्रहरी इन अनमोल लोकगीतों पर अभी बहुत कार्य होना बाकी है।

जरूरत इस बात की है कि हरियाणा प्रदेश के राष्ट्रीय चेतना पर आधारित ऐसे सभी लोकगीतों को एकत्रित कर उन पर शोध कार्य करते हुए प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु कार्य किया जाए।

कविता

सुधीर ढांडा



बँधी हो जैसे डोर तै पतंग

तू सै मेरे दिल की उमंग,
बँधी हो जैसे डोर तै पतंग,
साँसे तेरी महकती ऐसे,
जैसे फैली सै हवा मै तरंग।

कमर तेरी यूँ बल खावै ,
जैसे लहरावै खेत मै भुजंग।
मुँह बटवा सा, नाक सुवा सा ,
हो नै जावै तेरी किसे तै जंग।

आँख याँ तेरी मोटी मोटी,
हो जैसे कोई डूंगी सुरंग।
सम्भल कर निकलणा घर तै,
कदे पाछै पड़ जै कोई मलंग।

हर मोड़ मै इब रावण खडे सै,
कर देवेंगे तैनै आँदी जांदी नै तंग।
पता नी कितने होए सै घायल,
देख कै तेरा यूँ सांवला रंग।

हेमा, रेखा, काजल, सब फीकी पड़गी,
देख कै तेरे इस फैशन का ढंग।
क्यूँ भटकै सै छोरी तू इधर उधर,
जोड़ी बणा ले सुधीर कौल के संग

गीत

दलबीर 'फूल'



बचाल्यो हरियाणा रै

या पछवा बाळ करै कमाल, लेकै खास उडारी
हरियाणे की संस्कृति कै या लाग्यी,कती बुहारी

हरियाणा के जमिंदार सदा मसत रहया करते
सरदी, गरमी, बरसा सारी तन पै सहया करते
मुहंकै ऊप्पर साच्ची-साच्ची बात कहया करते
मात पिता गुरुजनों की सदा सीख लहया करते
आदर मान उड़ा लेग्यी ईब चालैं तेग दुधारी
हरियाणे की संस्कृति कै या लाग्यी,कती बुहारी..1

मंहगाई सिर चढकै बोल्ली ना कोय भी मोल रहे
डब्बा बंध पैकिंग होग्यी ना पहले आळे तोल रहे
भाई-भाई इब दुश्मन होग्ये नही प्यार के बोल रहे
दामण चीर ओढणा आंगी ना पांया मैं रमझोळ रहे
ना वो नेजू डोल रहये ना कूवे की पणिहारी
हरियाणे की संस्कृति कै या लाग्यी,कती बुहारी...2

फागण के मैं गाई जा वो धमाल ना रही
लहरा बीन किलांट की सुर ताल ना रही
पिच्चू, पींहल, खूग्यी सारी, वो जाळ ना रही
सस्ता भोजन गरीब की वो दाळ ना रही
सटाल ना रही वो पिछली, बदल गये पंसारी
हरियाणे की संस्कृति कै या लाग्यी,कती बुहारी..3

बड़ पिपळ मैं घाल पींघ छोहरी पींघ चढाया करती
सखी सहेली मिलकै सिंझया झोड़ तिराया करती
सुहाग भाग की खात्यर सब कात्यक नहाया करती
मेरा नो डाण्डी का बीजणा लोक गीत गाया करती
ईब गावैं सीला की जवानी ईलू - ईलू कवांरी
हरियाणे की संस्कृति कै या लाग्यी,कती बुहारी...4

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

विरासत

हमारी रसोई का पारंपरिक बर्तन हुआ करती थी ग्रामीण जीवन की एक भूली-बिसरी पहचान

पलिया : दूध की हर बूंद का हिसाब रखने वाला पारंपरिक बर्तन



जनजीवन

रवि यादव

कभी गांव के कच्चे घरों की दीवारों पर टंगी छोटी-बड़ी वस्तुएं केवल घरेलू सामान नहीं हुआ करती थीं, बल्कि वे हमारी जीवनशैली, परंपराओं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की जीवंत गवाह भी थीं। ऐसी ही एक वस्तु है पळिया, जिसे हरियाणा के अलग-अलग क्षेत्रों में पला, पळि या पळिया जैसे नामों से जाना जाता रहा है।

बिना लिपाई-पुताई वाली किसी कच्ची दीवार में गाड़ी गई कील पर टंगा यह छोटा-सा धातु का बर्तन आज भले ही सामान्य लगे, लेकिन चार-पांच दशक पहले ग्रामीण जीवन में इसका विशेष महत्त्व हुआ करता था। चालीस-पचास वर्ष की आयु पार कर चुके लोगों के लिए यह बर्तन बचपन की उन स्मृतियों को ताजा कर सकता है, जब घर में दूध की कढ़ावनी चढ़ती थी और परिवार के प्रत्येक सदस्य तक दूध पहुंचाने की जिम्मेदारी घर की बुजुर्ग महिलाओं के कंधों पर होती थी।

पशुधन और दूध से जुड़ा था ग्रामीण जीवन

चार-पाँच दशक पहले हरियाणा के अधिकांश ग्रामीण परिवारों की दिनचर्या खेती और पशुपालन के इर्द-गिर्द घूमती थी। गाय, भैंस और बैल केवल पशु नहीं, बल्कि परिवार की आर्थिक व्यवस्था का महत्त्वपूर्ण हिस्सा हुआ करते थे। घर में दुधारू पशु होना समृद्धि और आत्मनिर्भरता का प्रतीक माना जाता था। सुबह-शाम दूध दुहना, उसे गर्म करना, बच्चों को पिलाना, दही जमाना, मक्खन निकालना और घी तैयार करना ग्रामीण महिलाओं की नियमित दिनचर्या में शामिल था। घर का दूध, घर का दही और घर का घी परिवार की जरूरतों को पूरा करते थे। इसी दूध-केंद्रित घरेलू व्यवस्था में पळिया जैसे छोटे बर्तन की अपनी उपयोगिता थी।

बड़े कुनबे और माताओं का अपना गणित

उस समय परिवार बड़े हुआ करते थे। एक ही घर में दादा-दादी, माता-पिता, चाचा-चाची और कई बच्चे साथ रहते थे। रसोई की जिम्मेदारी मुख्य रूप से महिलाओं के पास होती थी। परिवार के प्रत्येक सदस्य की जरूरत का ध्यान रखना आसान काम नहीं था। सीमित साधनों के बावजूद घर की बुजुर्ग महिलाएं अपने अनुभव और समझ से पूरी व्यवस्था संभालती थीं। वे अनपढ़ भले ही रही हों, लेकिन घरेलू प्रबंधन में उनका अनुभव किसी गणितज्ञ से कम नहीं था। किस बच्चे को कितना दूध देना है, किसके लिए रोटी बचाकर रखनी है और सुबह के दूध में से शाम तक की जरूरत कैसे पूरी करनी है, इसका हिसाब उन्हें अच्छी तरह मालूम रहता था। न कोई लिखित सूची, न कोई कैलकुलेटर और न ही माप-तौल के आधुनिक उपकरण। अनुभव ही उनका सबसे बड़ा ज्ञान था। ऐसे ही घरेलू गणित को आसान बनाने में पळिया महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता था। यह केवल दूध निकालने का साधन नहीं था, बल्कि बड़े परिवार की रसोई व्यवस्था का एक उपयोगी हिस्सा था। ग्रामीण घरों में दूध गर्म करने के लिए प्रायः



मटकेनुमा कढ़ावनी का इस्तेमाल किया जाता था। इसे चूल्हे या हारे में रखकर दूध गर्म किया जाता था। रात को जब चूल्हे पर रोटियां बनतीं, तब घर के बच्चों को खाना खिलाने का क्रम शुरू होता था। उस समय आज की तरह हर घर में अनेक प्रकार की सब्जियां और व्यंजन बनाने का चलन सामान्य नहीं था। रोटी, दूध, दही, छाछ और घर में उपलब्ध दूसरी चीजें ही भोजन का आधार होती थीं। कढ़ावनी से सीधे दूध निकालना सुविधाजनक नहीं था। उसका आकार और गर्मी, दोनों ही इस काम को कठिन बना सकते थे। ऐसे में पळिया काम आता था। इसकी बनावट कुछ ऐसी होती थी कि इसे कढ़ावनी में डालकर दूध निकाला जा सकता था। इसकी लंबी डंडी पकड़ने में सहायक होती थी और हाथ को गर्म बर्तन की आंच से अपेक्षाकृत दूर रखती थी। घर की बुजुर्ग महिला पळिया को पकड़कर कढ़ावनी में डालती, दूध निकालती और फिर परिवार के सदस्यों के बर्तनों में उनकी आवश्यकता के अनुसार दूध डाल देती।

दूध मापने का देसी तरीका

पळिया की उपयोगिता का एक महत्त्वपूर्ण पक्ष यह भी था कि उससे दूध की मात्रा का अनुमान लगाना आसान हो जाता था। आकार के अनुसार एक बार में पाव भर या उससे कुछ कम-ज्यादा दूध निकाला जा सकता था। यह मात्रा बर्तन के आकार पर निर्भर करती थी। इस प्रकार घर में दूध बाँटने के लिए अलग-अलग माप के उपकरणों की आवश्यकता नहीं पड़ती थी। आज बाजार में दूध मापने के लिए विभिन्न प्रकार के मापक बर्तन और आधुनिक उपकरण उपलब्ध हैं, लेकिन उस समय घरेलू जरूरतों के लिए पळिया जैसा साधन ही पर्याप्त था।

दूध तक सीमित नहीं था इसका उपयोग

पळिया का इस्तेमाल केवल दूध निकालने के लिए ही नहीं होता था। इसकी लंबी डंडी और छोटी कटोरीनुमा बनावट इसे दूसरे घरेलू कामों के लिए भी उपयोगी बनाती थी। थोड़ी-सी मात्रा में सरसों का तेल गर्म करना हो या दीपक की ज्योत जलाने के लिए घी गर्म करना हो, ऐसे अवसरों पर भी इसका प्रयोग किया जा सकता था। उस दौर में घरों में हर काम के लिए अलग-अलग बर्तन उपलब्ध नहीं होते थे। उपलब्ध वस्तुओं का अधिकतम उपयोग करना ग्रामीण जीवन की विशेषता थी। किसी बर्तन को बेकार छोड़ने के बजाय उससे कई तरह के काम लिए जाते थे। पळिया भी इसी उपयोगितावादी सोच का हिस्सा था।

लोहारों की आजीविका का साधन

पळिया हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था के उस स्वरूप की भी याद दिलाता है, जिसमें गाँव के अलग-अलग कारीगर एक-दूसरे की जरूरतें पूरी करते थे। लोहार लोहे के औजार और घरेलू उपयोग की वस्तुएँ बनाते थे। कुछ क्षेत्रों में पळिया लोहे के अलावा पीतल या अन्य धातुओं से भी बनाया जाता था। लोहारिन गाँवों में अपने हाथों से बनाए बर्तन और दूसरी वस्तुएं बेचने आती थीं। इस तरह श्रम, कौशल और घरेलू जरूरतों के बीच एक पारस्परिक संबंध बना हुआ था।

विरासत को सहेजना जरूरी

हमारी ग्रामीण विरासत केवल हवेलियों, पुराने कुओं, तालाबों और ऐतिहासिक इमारतों तक सीमित नहीं है। रसोई के पुराने बर्तन, खेती के औजार, पशुपालन में काम आने वाली वस्तुएँ और घरों में प्रयोग होने वाले पारंपरिक उपकरण भी हमारी सांस्कृतिक धरोहर का हिस्सा हैं। पळिया जैसी वस्तुओं को सहेजने का अर्थ केवल पुराने बर्तनों को जमा करना नहीं, बल्कि उस जीवन-पद्धति को समझना है जिसमें कम साधनों में अधिक काम किया जाता था। इनके माध्यम से नई पीढ़ी जान सकती है कि हमारे पूर्वज किस प्रकार अपनी आवश्यकताओं को पूरा करते थे, स्थानीय कारीगरों की क्या भूमिका थी और परिवार तथा पशुधन एक-दूसरे से किस प्रकार जुड़े हुए थे।

अभिषेक पंडित ने बैकग्राउंड म्यूजिक से बनाई विशेष पहचान



कलाकार

पुनित शर्मा



अभिषेक पंडित भारतीय संगीत जगत के एक प्रतिष्ठित पार्श्व संगीत निर्माता, संगीतकार और साउंड इंजीनियर हैं। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में जन्मे अभिषेक की प्रारंभिक शिक्षा वहीं हुई तथा उन्होंने राजस्थान बोर्ड से 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की। बचपन से ही उनकी रुचि संगीत में थी और वे पांचवीं कक्षा से ही तबला बजाने लगे थे। हालांकि उनके परिवार का संगीत से कोई दूर-दूर तक नाता नहीं था और माता-पिता चाहते थे कि वे पढ़ाई-लिखाई करके एक इंजीनियर बनें। इसके बावजूद अभिषेक ने अपने भीतर के जुनून का अनुसरण किया और संगीत को ही अपने जीवन का मुख्य लक्ष्य बनाने का निर्णय लिया।

पढ़ाई में भी वे काफी प्रतिभाशाली थे। 12वीं के बाद उन्होंने छत्तीसगढ़ में मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन में प्रवेश लिया। कॉलेज के इसी दौर में उन्होंने कीबोर्ड बजाना शुरू किया और विभिन्न मंचीय कार्यक्रमों (स्टेज शो) में सक्रिय रूप से भाग लेने लगे। छत्तीसगढ़ की समृद्ध और पुरानी संगीत परंपरा से जुड़कर उन्होंने वहां की स्थानीय संगीत इंडस्ट्री में एक कीबोर्ड प्लेयर के रूप में कार्य किया तथा अनेक लोकप्रिय गीतों की रिकॉर्डिंग में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस सफर के दौरान अभिषेक महान संगीतकार एवं गायक रवीन्द्र जैन को अपना आदर्श मानने लगे। वहीं उनके व्यक्तिगत गुरु के रूप में श्याम सारथी का मार्गदर्शन मिला, जो छत्तीसगढ़ फिल्म उद्योग में एक संगीत निर्देशक थे। उन्होंने प्रसिद्ध संगीतकार जोड़ी लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल के साथ गिटार वादन कर चुके रुपेंद्र श्रीधर से भी संगीत की गहन तालीम हासिल की। इन सभी गुरुओं के सान्निध्य में रहकर उन्होंने बीजीएम निर्माण, म्यूजिक स्कोरिंग और इंस्ट्रूमेंट अरेंजमेंट की बारीकियों को समझा। उन्होंने लगभग दो वर्षों तक ओड़िया संगीत उद्योग में कार्य किया और कई फिल्मों के लिए ट्रैक तथा संगीत तैयार किए। इसी कार्य अनुभव के दौरान उन्हें यह अहसास हुआ कि आज के डिजिटल युग में तकनीकी ज्ञान होना भी उतना ही आवश्यक है। वर्ष 2003 से वे पेशेवर रूप से संगीत क्षेत्र में सक्रिय हो गए। कंप्यूटर और आधुनिक डिजिटल तकनीकों के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए उन्होंने साउंड इंजीनियरिंग सीखने का निर्णय लिया और इसके लिए चेन्नई चले गए। चेन्नई में उन्होंने टी. एन. दास के सहायक के रूप में कार्य किया, जहाँ उन्होंने ऑडियो रिकॉर्डिंग, मिक्सिंग, साउंड डिज़ाइन और आधुनिक स्टूडियो सेटअप से जुड़ी तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया। लगभग दो वर्षों तक चेन्नई में कड़ा प्रशिक्षण लेने के बाद उनकी पहली पेशेवर नौकरी गोरखपुर के एक म्यूजिक स्टूडियो में लगी। इसके बाद वे दिल्ली आ गए और वहां भी संगीत एवं ऑडियो प्रोडक्शन के क्षेत्र में अपनी सेवाएं दीं। कुछ समय पश्चात वे मुंबई पहुंच गए, जहाँ उन्हें एक प्रतिष्ठित ऑडियो कंपनी में

हरियाणा फिल्म उद्योग में "दिल हो गया लापता" से बीजीएम की शुरुआत करने के बाद अभिषेक पंडित ने चौधर 2, सेफ हाउस 2, छापा, घूंघट, कच्छाधारी और 15 दिन जैसी कई परियोजनाओं में संगीत दिया।

कार्य करने का अवसर मिला। मुंबई में रहते हुए उन्होंने साउंड इंजीनियरिंग संस्थानों में अध्यापन भी किया और कई फिल्मों की ऑडियो तथा बैकग्राउंड म्यूजिक परियोजनाओं में अपना योगदान दिया। अपने करियर के दौरान उन्होंने हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मराठी जैसी विभिन्न भाषाओं की फिल्मों में बीजीएम और साउंड डिज़ाइन का कार्य किया है। वर्ष 2014 में वे अपने गृह नगर अलीगढ़ लौटे। इसी दौरान उनके एक मित्र के माध्यम से उनकी मुलाकात रोहतक में फिल्म से जुड़े निर्देशक से हुई। इसी दौरान उनकी मुलाकात रोहतक में प्रसिद्ध शास्त्रीय गायिका और प्रोफेसर कविता सोभू से हुई। पहली ही मुलाकात में दोनों के बीच जुड़ाव हुआ और वर्ष 2016 में उनका विवाह संपन्न हुआ। हरियाणा के संगीत जगत में कविता सोभू का नाम बेहद आदर के साथ लिया जाता है; वे चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में संगीत विषय की प्रोफेसर हैं। विवाह के पश्चात कुछ समय के लिए अभिषेक वापस मुंबई चले गए, लेकिन नोटबंदी के बाद वे पुनः हरियाणा लौट आए।

हरियाणा में उन्होंने स्थानीय संगीत जगत को आधुनिक रिकॉर्डिंग, मिक्सिंग और ऑडियो तकनीक से जोड़ने में योगदान दिया। उन्होंने कई स्टूडियो को तकनीकी मार्गदर्शन, सॉफ्टवेयर और आधुनिक सेटअप उपलब्ध कराने में सहयोग किया। हरियाणा फिल्म उद्योग में "दिल हो गया लापता" से बीजीएम की शुरुआत करने के बाद अभिषेक पंडित ने "चौधर 2", "सेफ हाउस 2", "छापा", "घूंघट", "कच्छाधारी" और "15 दिन" जैसी कई परियोजनाओं में संगीत दिया। अब तक वे लगभग 18 फिल्मों और वेब सीरीज़ के लिए संगीत दे चुके हैं। उनकी सफलता के पीछे वर्षों का संघर्ष रहा। आर्थिक कठिनाइयों के बीच उन्होंने दिल्ली में बैंड और चेन्नई के पार्क होटल में डीजे के रूप में काम किया। वर्तमान में वे हरियाणा के जींद में अपने स्वयं के स्टूडियो का संचालन कर रहे हैं।

खबर संक्षेप

ध्यान से आंतरिक शांति का मिलता है अनुभव

हिसार। तनाव और चिंता से मुक्ति पाने तथा आंतरिक शांति का अनुभव करने के उद्देश्य से सिरसा रोड स्थित ओशो ध्यान उपवन में ध्यान सत्र का आयोजन किया गया। इसमें साधकों ने विभिन्न ध्यान विधियों का अभ्यास करते हुए स्वयं को शांत, सहज और ऊर्जावान बनाने के उपाय सीखे। सत्र के आयोजक स्वामी संजय और मां सांची ने साधकों के साथ सहज, संतुलित और खुशहाल जीवन जीने के तरीके साझा किए। स्वामी संजय ने कहा कि इंसान का अधिकांश तनाव भविष्य की चिंताओं और अतीत की स्मृतियों में उलझे रहने के कारण बढ़ता है।

27 को सवर्ण समाज करेगा विरोध प्रदर्शन

हिसार। ब्राहमण धर्मशाला में समस्त ब्राह्मण समाज एवं सवर्ण समाज के प्रबुद्धजनों की बैठक जिला ब्राह्मण सभा के प्रधान रतन लाल शर्मा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सवर्ण समाज के प्रबुद्धजनों ने आगामी 27 अक्टूबर को होने वाले यूजीसी रेगुलेशन एक्ट 2026, एससी/एसटी एक्ट 1989 में संशोधन एवं जातिगत आरक्षण के स्थान पर आर्थिक आधार पर आरक्षण देने बारे विरोध प्रदर्शन बारे अपने-अपने विचार रखे। जिला प्रधान रतन लाल शर्मा ने कहा कि इस विरोध प्रदर्शन में 27 अक्टूबर को जिला हिसार के सवर्ण समाज के हजारों की संख्या में साथी शिरकत करेंगे।

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने भगवान वाल्मीकि को नमन कर उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का किया आह्वान

कुलेरी में श्रद्धा-उत्साह से मना भगवान वाल्मीकि प्रकट दिवस, मूर्ति स्थापना व प्रतिभाओं का सम्मान

सैंकड़ों लागों ने भव्य शोभयात्रा निकाली, जयकारों से गूजा शहर

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

गांव कुलेरी में रविवार को भगवान वाल्मीकि प्रकट दिवस, मूर्ति स्थापना एवं पारितोषिक वितरण समारोह श्रद्धा और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। भगवान वाल्मीकि पुस्तकालय कमेटी, गांव कुलेरी के तत्वावधान में आयोजित यह धार्मिक एवं सामाजिक समारोह पुस्तकालय परिसर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, समाज के गणमान्य व्यक्तियों और स्थानीय नागरिकों ने भाग लेकर भगवान वाल्मीकि के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। समारोह में राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने भगवान वाल्मीकि के चरणों में नमन करते हुए उनके आदर्शों, विचारों और शिक्षाओं को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि की शिक्षाएं समाज को सदाचार, ज्ञान और नैतिक मूल्यों के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं। उनके आदर्शों को आत्मसात कर समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व चेयरमैन श्रीनिवास गोयल ने की। समारोह में जिला अध्यक्ष आशा खेदड़, पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. डीपी वत्स, जिला पार्षद अजय सिंह धंधवाल, गांव कुलेरी के सरपंच राजीव सहारण, पूर्व मंत्री अनूप धानक, साधुराम जाखड़, चेयरमैन प्रतिनिधि एवं ब्लॉक समिति अग्रोहा के आनंद काजला तथा समाजसेवी प्रवीण जिंदल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।



हिसार। कार्यक्रम में उपस्थित राज्यसभा सांसद सुभाष बराला तथा अन्य गणमान्य अतिथि। *फोटो: हरिभूमि*

मेधावी युवाओं को किया प्रोत्साहित

समारोह का मुख्य आकर्षण भगवान वाल्मीकि की मूर्ति स्थापना रही। इस अवसर पर पारितोषिक वितरण समारोह भी आयोजित किया गया, जिसके माध्यम से समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वालों और मेधावी युवाओं को प्रोत्साहित किया गया। आयोजन का उद्देश्य धार्मिक आस्था के साथ-साथ शिक्षा, प्रतिभा और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देना रहा।

आपसी मतभेद भुलाकर एकता और भाईचारे के साथ रहें



हिसार। भगवान वाल्मीकि प्रकट दिवस के उपलक्ष्य में भगवान वाल्मीकि प्राचीन मंदिर, तेलियान पुल से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। धार्मिक उत्साह और श्रद्धा के माहौल में आयोजित इस शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं समाज के लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने विशेष रूप से शिरकत की। उनके अलावा उद्योगपति जगदीश जिंदल, वन विभाग के चेयरमैन रवि सैनी, करण तायल और रामस्वरूप पोपली सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। आयोजकों की ओर से अतिथियों का बुके भेंट कर, मालाएं पहनाकर और शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया गया। शोभायात्रा में शामिल सुंदर झांकियां, बैंड-बाजे, ढोल-नगाड़े, सजी हुई बग्गियां और फूलों की वर्षा करने वाली मशीन विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह के साथ भगवान वाल्मीकि की महिमा का गुणगान किया। शोभायात्रा के सफल आयोजन में विक्की टाक, वेद प्रकाश टीटू, समीर कांगड़ा, जीत सिंह, प्रमोद बागड़ी एडवोकेट और कुलदीप कांगड़ा सहित अनेक सहयोगियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ये रहे मौजूद

शोभायात्रा में समाजसेवी सत्य काम आर्य, वेद प्रकाश लोट, सुंदर कांगड़ा, विनोद सरवटे, दीपक वाल्मीकि, शीला देवी, मीनू बागड़ी, बबली, सुलोचना, प्रीति, बसंती, पूनम, कमलेश, दयावंती, शारदा, बीना, गौरव कांगड़ा, विक्की, राजन, मुकेश डुलगच, कृष्ण कमिश्नर भुम्भक, श्रवण, सीताराम, जोगीराम खुंडिया, दयाराम ढिल्लों, सुभाष पवार, कमल पवार, हरि नारायण, प्रहलाद बागड़ी, नरेश चंडालिया, पवन सरपंच, सीमा अटवाल, अनिल अटवाल, दीपक ढोलू, बिल्ली कांगड़ा, सुलोचना कांगड़ा, कमल मोहन, बृजमोहन, राजेंद्र, उषा, रीना और अजीत पवार सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों एवं समाजसेवियों ने भाग लिया।

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर लघु सचिवालय सभागार में कार्यक्रम आज

हिसार। भगवान महर्षि वाल्मीकि जी की जयंती के पावन उपलक्ष्य में सोमवार को लघु सचिवालय सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में हरियाणा के लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहेंगे। समारोह में महर्षि वाल्मीकि जी के जीवन दर्शन, उनकी शिक्षाओं और समाज को दिए गए उनके अमूल्य योगदान पर प्रकाश डाला जाएगा। मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ करेंगे। इस अवसर पर जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और प्रबुद्ध नागरिक भी मौजूद रहेंगे। प्रशासन की ओर से आम जनता से भी अपील की गई है कि वे इस पावन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में पहुंचकर महर्षि वाल्मीकि जी के विचारों को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लें।कृष्ण सातरोड़ को उत्तराखंड विधानसभा चुनाव के लिए वॉर रूम अध्यक्ष की जिम्मेदारी।

साहित्यिक सखियों के स्नेहिल सानिध्य में उषा केडिया की दो काव्य पुस्तकों का विमोचन

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

कवयित्री उषा केडिया की दो काव्य पुस्तकों 'कस्तूरी' और 'बस यूं ही' का विमोचन समारोह साहित्यिक गरिमा और आत्मीयता के बीच संपन्न हुआ। समारोह की विशेषता रही कि इसमें किसी औपचारिक मुख्य अतिथि के बजाय साहित्यिक सखियों ने सामूहिक रूप से पुस्तकों का लोकार्पण किया। यह पहल महिला रचनाकारों की एकजुटता और साहित्य के प्रति उनके प्रेम का प्रतीक बनी कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। पूजा बंसल ने गणेश वंदना प्रस्तुत की, जबकि दीपिका ने उषा केडिया की कविताओं का प्रभावशाली पाठ किया। शिक्षाविद डॉ. शमीम शर्मा ने उषा केडिया की साहित्यिक यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा, "कड़छी से कलम पकड़ने वाली घरेलू महिला ने कमाल कर दिया।" उन्होंने उनकी रचनात्मक प्रतिभा और संवेदनाओं को शब्दों में ढालने की क्षमता की सराहना की। डॉ. सुषमा गोयल और सुचेता सर्राफ ने दोनों पुस्तकों के काव्य एवं भाव पक्ष पर विचार रखे। डॉ. प्रज्ञा कौशिक और पूनम खनगवाल ने अपनी कविताएं प्रस्तुत कीं, वहीं डॉ. सत्या सावंत के गीत ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। इस अवसर पर उषा केडिया ने अपने लेखन के अनुभव साझा किए और दोनों पुस्तकों के प्रकाशन पर प्रसन्नता व्यक्त की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सरिता शर्मा ने किया तथा अंत में ईशा केडिया ने सभी का आभार जताया।



हिसार। पुस्तकों का विमोचन करते मुख्य अतिथि।

ये रहे मौजूद

समारोह में पंकज संधीर, शकुंतला राजलीवाला, सुषमा कपिल, ईशा केडिया, सुमन अजय बत्रा, शशि लोहिया, सविता लोहिया, मधु लोहिया, कविता पॉल सहित अनेक साहित्यप्रेमी उपस्थित रहे। सभी ने उषा केडिया को उनकी साहित्यिक उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं दीं। यह आयोजन दो पुस्तकों के विमोचन के साथ-साथ महिला रचनाकारों के स्नेह, सहयोग और सृजनात्मक शक्ति का उत्सव भी बना।

प्रदर्शनी में निशांत ने हासिल किया द्वितीय स्थान, स्कूल का बढ़ाया गौरव



हिसार लीडिंग एंजेल पब्लिक स्कूल के कक्षा दसवीं के विद्यार्थी निशांत ने ब्लॉक स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी 2026-27 में ग्रीन एनर्जी एवं पर्यावरण संरक्षण विषय में द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। उनकी इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है। इस सफलता में निशांत की मेहनत, विज्ञान शिक्षक कुलदीप के मार्गदर्शन तथा अभिभावकों और शिक्षकों के प्रोत्साहन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। विद्यालय की प्रधानाचार्या ने निशांत और उसके अभिभावकों को बधाई देते हुए विज्ञान शिक्षक के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने निशांत के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उसे आगे भी इसी तरह मेहनत और लगन से सफलता हासिल करने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय परिवार ने निशांत की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यार्थियों की ऐसी उपलब्धियां अन्य बच्चों को भी विज्ञान, नवाचार और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं।

किसान-मजदूर, छात्र, युवा व महिला महापंचायत अब वंदनम बैंक्वेट हॉल में

हिसार। किसान, मजदूर, छात्र, युवा और महिला महापंचायत का आयोजन 26 अक्टूबर को सुबह 11:30 बजे रोहतक के दिल्ली रोड स्थित वंदनम बैंक्वेट हॉल में होगा। पहले इस महापंचायत का आयोजन बोहर स्थित नांदल भवन में निर्धारित था, लेकिन अब स्थान बदलकर वंदनम बैंक्वेट हॉल कर दिया गया है। ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के जिला संयोजक कॉमरेड हवा सिंह संघर्ष और एआईयूटीयूसी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जिला सचिव मेहर सिंह बांगड़ ने बताया कि महापंचायत में किसान संगठन एआईकेकेएमएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संयुक्त किसान मोर्चा के प्रमुख नेताओं में शामिल कॉमरेड सत्यवान, शहीद-ए-आजम भगत सिंह की भांजी गुरजीत कौर, प्रसिद्ध अर्थशास्त्री एवं जेएनयू के सेवानिवृत्त प्रोफेसर अरुण कुमार, एआईयूटीयूसी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अरुण कुमार सिंह, स्कीम वर्कर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की महासचिव इस्मत अरा खातून और कॉमरेड राजेंद्र सिंह एडवोकेट सहित अन्य प्रमुख नेता संबोधित करेंगे।

न्यूज डायरी



युवाओं को दिया आत्मनिर्भरता मूल मंत्र

हिसार। महिला सशक्तीकरण तथा युवाओं को कौशलयुक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से कार्यरत इंदिरा देवी चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रशिक्षण संस्थान में किशोर एवं युवा मनोवैज्ञानिक परामर्श सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र में संस्थान में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों, विशेष रूप से बेटियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के एडवांस डिप्लोमा इन चाइल्ड गाइडेंस एंड काउंसलिंग से जुड़ी काउंसलर्स ज्योति, सीमा व अलका ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। तीनों काउंसलर्स ने विद्यार्थियों को किशोरावस्था में होने वाले मानसिक एवं भावनात्मक परिवर्तनों, तनाव और चिंता से निपटने, आत्मविश्वास बढ़ाने, सकारात्मक सोच विकसित करने तथा अपनी भावनाओं को सही तरीके से व्यक्त करने के व्यावहारिक उपाय बताए। उन्होंने समझाया कि जीवन में आने वाली समस्याओं और असफलताओं से घबराने की अपेक्षा धैर्य, आत्मविश्वास एवं सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ उनका सामना करना चाहिए।



साहित्यकार डॉ. विक्रमजीत की दो पुस्तकों का विमोचन

हिसार। नगर के वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. विक्रमजीत द्वारा लिखित दो पुस्तकों क्रमशः नाम दान : अमृत पान (तैंतीसवीं) व निशानी : राहे रुहानी काव्य (चौतीसवीं) का विधिवत विमोचन गुरुग्राम के सेक्टर 84 स्थित क्लब भवन में प्रमुख समाजसेवी शशि कपूर ने किया। इससे पहले उपस्थित जनों ने मां सरस्वती का पूजन किया। इसके बाद दोनों पुस्तकों का विमोचन किया गया। इस अवसर पर पुस्तक प्रेमियों ने कहा कि ये पुस्तकें मानव जीवन के लिये बड़ी उपयोगी एवं आत्म अवलोकन करने के लिये आज के युग में एक पथ प्रदर्शक के रुप में सिद्ध होगी। अतः सभी सुधी पाठकों से निवेदन है कि इन पुस्तकों का अध्ययन अवश्य करें।



भाविप ने धूमधाम से मनाया करवा चौथ उत्सव

हिसार। भारत विकास परिषद विवेकानंद शाखा की ओर से करवा चौथ सांस्कृतिक उत्सव-2026 एवं सामान्य बैठक का आयोजन हर्षोल्लास और उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने पारंपरिक भारतीय संस्कृति, प्रेम, समर्पण और दांपत्य जीवन के महत्व को दर्शाते हुए विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लिया। पूरे आयोजन में उत्सव और उमंग का माहौल बना रहा। कार्यक्रम में मॉडर्न डिफेंस स्कूल की निदेशक अनिता भंडारी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जबकि वेदा अस्पताल की नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. रिपंजीत कौर कामरा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। इसके अतिरिक्त शीला लोहिया, मोनिका गोयल, मोनिका पूनिया व कुसुम अग्रवाल की उपस्थिति रही।

आर्य समाज के वार्षिकोत्सव में गूंजे वैदिक मंत्र



हिसार। आर्य समाज मॉडल टाउन का पांच दिवसीय 74वां वार्षिकोत्सव रविवार को धार्मिक उत्साह और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुआ। अंतिम दिन रविवार को प्रातः आयोजित देव यज्ञ में मोहित हंस, ध्रुव अहलावत, राजीव और मंजीत ने सपत्नीक यजमान के रूप में आहुतियां डालीं। यज्ञब्रह्मा आचार्य सूर्यदेव वेदांशु ने वैदिक मंत्रों के साथ यज्ञ संपन्न कराया। इसके बाद सभी यजमानों को आशीर्वाद दिया गया। समापन सत्र में मेरठ से आए पंडित अजय आर्य ने प्रेरक भजनों की प्रस्तुति दी। मुख्य वक्ता आचार्य अंकित प्रभाकर ने कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती ने समाज सुधार के लिए अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए। उन्होंने गौहत्या बंद करवाने के लिए भी व्यापक हस्ताक्षर अभियान चलाया था। इस अवसर पर वीरेंद्र आर्य, पवन रावलवासिया, रामकुमार रावलवासिया, रामपाल आर्य, आनंद गर्ग, सुरेंद्र बेरवाल, जय कुमार बंसल, अशोक गौतम, देवेंद्र सैनी, राज वर्मा, सुमन बत्रा, वीणा वासुदेवा आदि रहे।

कुटुंब संस्कृति को बचाए रखना जरूरी: घनश्याम



हिसार। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से शहर के विवेकानंद और आजाद नगर उपनगरों में विजयदशमी उत्सव मनाया गया। इस दौरान संघ कार्यकर्ताओं ने विधिवत शस्त्रपूजन करने के उपरांत शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए घोष के साथ पथ संचलन किया। विवेकानंद उपनगर के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शिक्षाविद् हीरो सिंह रावत थे। मुख्य वक्ता के रूप में संघ के प्रान्त कुटुंब प्रबोधन गतिविधि संयोजक घनश्याम जी ने संबोधित किया। विवेकानंद उपनगर में मॉडल टाउन के सेंट्रल पार्क में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओं और अन्य को संबोधित करते हुए कहा कि संस्कार और संस्कृति के संरक्षण के लिए कुटुंब संस्कृति को बचाये रखना जरूरी है। अपनी जड़ों को न भूले। कुटुंब बचेगा तो समाज और राष्ट्र प्रगति करेगा। आजाद नगर में पायनियर एकेडमी में आयोजित विजयदशमी उत्सव में जिला कार्यवाह सतीश कुमार ने कहा कि संघ की शाखा से मिलने वाले संस्कार उच्चकोटि के भविष्य का निर्माण करते हैं।

मन की बात कार्यक्रम प्रधानमंत्री का देशवासियों के साथ सीधा संवाद स्थापित करने का सशक्त माध्यम : गंगवा

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने रविवार को गांव न्याणा में बूथ नंबर 96 के समीप स्थित गौशाला परिसर में पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का 139वां संस्करण सुना। इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम के माध्यम से देशभर में हो रहे सकारात्मक बदलावों, जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण में नागरिकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।



हिसार। गांव न्याणा में पार्टी कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों के साथ कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा।

कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि 'मन की बात' केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का देशवासियों के साथ सीधा संवाद स्थापित करने का सशक्त माध्यम है। यह कार्यक्रम समाज में हो रहे प्रेरणादायी कार्यों, जनसेवा के उत्कृष्ट प्रयासों और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को नई ऊर्जा प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि इस तरह के संवाद देशवासियों को सामाजिक दायित्वों के प्रति जागरूक करने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित करते हैं।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर पूर्व चेयरमैन सतबीर वर्मा, रणधीर सिंह धीरू, शिव गौशाला समिति के पदाधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, पार्टी कार्यकर्ता और अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सेवा विधायक विनोद भयाना ने हरी झंडी दिखाकर बसों को किया रवाना

अग्रोहा धाम के लिए रवाना हुआ भक्तों का सैलाब, हांसी से 11 बसें मेले में पहुंची

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

महाराजा अग्रसेन की नगरी अग्रोहा धाम में आयोजित मेले में शामिल होने के लिए अग्रसेन भक्तों में खासा उत्साह देखने को मिला। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अग्रोहा विकास ट्रस्ट की हांसी इकाई की ओर से 11 निशुल्क बसों की व्यवस्था की गई। इन बसों के जरिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु अग्रोहा धाम के दर्शन के लिए रवाना हुए।

बसों को अग्रोहा रवाना करने से पहले श्याम मंदिर के बाहर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विधायक विनोद भयाना मुख्य अतिथि रहे, जबकि पूर्व मंत्री सुभाष गोयल के बेटे एवं कांग्रेस नेता पवन गोयल, प्रदीप गर्ग उर्फ डाली और नगर परिषद के वाइस चेयरमैन अनिल बंसल विशिष्ट अतिथि के रूप में पहुंचे। विनय जैन ने किया अतिथियों का स्वागत अग्रोहा विकास ट्रस्ट हांसी के प्रधान विनय जैन ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम संयोजक सुनील गर्ग, आशीष गुप्ता और ट्रस्ट सचिव नितिन सिंगला ने अतिथियों को पटका पहनाकर और माल्यार्पण कर सम्मानित किया। इस दौरान अग्रवाल समाज के गणमान्य लोगों ने विनय जैन और गौरव जैन की सामाजिक सेवा गतिविधियों की सराहना की।



हांसी। अग्रसेन जयंती पर अग्रोहा ले जाने वाली बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते विधायक विनोद भयाना व अन्य। *फोटो: हरिभूमि*

सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे

विनय जैन ने बताया कि अग्रोहा धाम में श्रद्धालु पूजा-अर्चना के साथ विभिन्न धार्मिक आयोजनों में भाग लेंगे। मेले में सम्मेलन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, ट्रेड फेयर और आकर्षक झांकियां मुख्य आकर्षण रहेंगी। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पेयजल, खान-पान, पार्किंग, जूता सेवा, यातायात प्रबंधन और चिकित्सा सुविधाओं की व्यवस्था भी की गई है। इसके अलावा सम्मेलन पंडाल और शक्ति सरोवर में स्नान की सुविधा उपलब्ध रहेगी। श्रद्धालुओं को अग्रोहा ले जाने की बस सेवा की पहल की समाज के लोगों ने सराहना की। कार्यक्रम में सुनील गर्ग, कृष्ण गर्ग, नितिन सिंगला, आशीष गुप्ता, गौरव जैन, राहुल जैन, विजय गोयल, मनोज गर्ग, हरिकेश सिंगला, श्री श्याम मंदिर के प्रधान जगदीश मित्तल, डॉ. अंकित मित्तल, बजरंग जैन, सुभाष जैन और सचिन जैन सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

मोबाइल की जिद में घर से निकला 12 वर्षीय बच्चा दो घंटे में मिला

हिसार। मोबाइल फोन लेने की जिद को लेकर घर से निकले 12 वर्षीय बच्चे को एचटीएम थाना पुलिस ने महज दो घंटे में तलाश कर लिया। बच्चा सकुशल मिलने पर परिजनों ने राहत की सांस ली और उसे अपने साथ घर ले गए। पुलिस ने यह कार्रवाई गुमशुदा बच्चों की तलाश के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन मुस्कान के तहत की। जानकारी के अनुसार, एचटीएम थाना क्षेत्र से एक 12 वर्षीय बच्चे के लापता होने की सूचना पुलिस को मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए बच्चे की तलाश शुरू कर दी। अतिरिक्त थाना प्रभारी उपनिरीक्षक दिनेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तेजी से प्रयास किए और करीब दो घंटे के भीतर बच्चे का पता लगा लिया। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया कि बच्चा मोबाइल फोन लेने की जिद को लेकर उदास था और इसी वजह से घर से निकल गया था। बच्चे के सुरक्षित मिलने के बाद पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई पूरी कर उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

खबर संक्षेप

मुख्य यजमान के रूप में शामिल होंगे अमेरिका व गुरुग्राम के श्रद्धालु

हांसी। चौपटा बाजार स्थित श्री विष्णु भगवान मंदिर में शरद पूर्णिमा के अवसर पर सोमवार को धार्मिक आयोजन होंगे। मंदिर ट्रस्ट की ओर से रविवार रात को खीर तैयार की जाएगी, जिसका वितरण सोमवार सुबह श्रद्धालुओं में किया जाएगा। इसके बाद श्री सत्यनारायण भगवान की कथा और भंडारे का आयोजन होगा। मंदिर ट्रस्ट के सचिव प्रवीण बंसल ने बताया कि सोमवार, 26 अक्टूबर को सुबह पूजन के बाद 10:30 बजे श्री सत्यनारायण भगवान की कथा होगी। दोपहर 12 बजे भंडारा लगाया जाएगा। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि धार्मिक कार्यक्रम में अमेरिका निवासी नीलम गोयल अपनी पुत्रवधू विभा शर्मा के साथ मुख्य यजमान के रूप में शामिल होंगी।

पुलिस ने की 671 वाहनों की जांच, 162 के चालान

हांसी। त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर शिकंजा कसने के लिए हांसी पुलिस ने चेकिंग अभियान तेज कर दिया है। पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर नाकाबंदी कर 671 वाहनों की जांच की। इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 162 वाहनों के चालान किए गए। पुलिस ने वाहन चालकों को नियमों का पालन करने और सुरक्षित ड्राइविंग के प्रति जागरूक भी किया। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस की टीमें लगातार गश्त कर रही हैं। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार के अनुसार, कार्रवाई के दौरान बिना हेलमेट के 44, ओवरस्पीड के 11, ट्रिपल राइडिंग के 10 और बिना नंबर प्लेट के 6 वाहनों के चालान किए गए।

टेल वाला कुटिया हनुमान मंदिर में भंडारा आज

आदमपुर। टेल वाला कुटिया हनुमान मंदिर में शरद पूर्णिमा पर सोमवार को सुबह विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। श्री शिव हनुमान रामदेव सेवा समिति की ओर से आयोजित इस भंडारे में श्रद्धालुओं के लिए लड्डू, हलवे, चूरमे का प्रसाद और भोजन प्रसादी की व्यवस्था की गई है। मंदिर कमेटी अध्यक्ष निरंजन बंसल ने बताया कि भंडारा सुबह सात बजे से प्रभु इच्छा तक चलेगा। समिति ने सभी भक्तजनों से इस पावन अवसर पर मंदिर पहुंचकर बाबा के दर्शन करने, भंडारे में प्रसाद ग्रहण करने और श्री बालाजी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है।

खेड़ी चौपटा में शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा के लिए दो लाख देने की घोषणा

राखीगढ़ी महोत्सव हमारी प्राचीन और समृद्ध सांस्कृतिक की विरासत : डॉ. अरविंद शर्मा

महोत्सव के समापन पर हुए सांस्कृतिक कार्यक्रमों

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौंद

सिंधु-सरस्वती सभ्यता के ऐतिहासिक स्थल राखीगढ़ी में आयोजित अंतरराष्ट्रीय राखीगढ़ी महोत्सव का रविवार को गरिमामय समापन हुआ। समापन समारोह में हरियाणा के सहकारिता, पर्यटन एवं संग्रहालय मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, जबकि राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। महोत्सव के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों, खेल प्रतियोगिताओं, ऐतिहासिक प्रदर्शनी और पारंपरिक हस्तशिल्प को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। आयोजकों के अनुसार, महोत्सव में लगभग एक लाख लोगों ने भाग लेकर प्राचीन सभ्यता, भारतीय संस्कृति और हरियाणा की लोक परंपराओं से जुड़ी गतिविधियों का आनंद लिया। कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि राखीगढ़ी हमारी प्राचीन, गौरवशाली और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रतीक है। यह ऐतिहासिक स्थल भारतीय सभ्यता की प्राचीनता, सामाजिक जीवन और सांस्कृतिक परंपराओं को समझने का महत्वपूर्ण माध्यम है। सिंधु-सरस्वती सभ्यता के ऐतिहासिक महत्व को जानने और उस पर शोध करने के लिए देश-विदेश से शोधार्थी और इतिहासकार यहां पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि राखीगढ़ी महोत्सव जैसे आयोजन हमारी ऐतिहासिक धरोहर को व्यापक पहचान दिलाने के साथ नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का काम करते हैं। नारनौंद । अंतरराष्ट्रीय राखीगढ़ी महोत्सव के समापन समारोह में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने वाले विद्यार्थियों एवं प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा और राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने विजेता खिलाड़ियों और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर डॉ. अरविंद शर्मा और सुभाष बराला ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों और युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए बेहतर मंच प्रदान करते हैं। खेलों से अनुशासन, टीम भावना, आत्मविश्वास और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी प्रतिभाओं की कमी नहीं है और ऐसे आयोजनों से खिलाड़ियों को अपनी क्षमता दिखाने का अवसर मिलता है। महोत्सव के अंतर्गत आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। बालिका वर्ग में गांव भिवानी रोहिल्ला की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि हसनगढ़ की टीम दूसरे और राखीगढ़ी की टीम तीसरे स्थान पर रही।



नारनौंद। राखीगढ़ी महोत्सव के दौरान ऐतिहासिक स्थल का अवलोकन करते कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, राज्यसभा सांसद सुभाष बराला व अन्य।





स्थानीय कलाकारों और महिलाओं को मिला मंच

डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि महोत्सव ने स्थानीय कलाकारों, कुंभकारों, हस्तशिल्पियों, स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं और छोटे उद्यमियों को अपनी प्रतिभा तथा पारंपरिक उत्पादों को प्रदर्शित करने का अवसर दिया। विभिन्न स्टॉलों पर पारंपरिक हस्तशिल्प, ग्रामीण उत्पादों और स्थानीय कला से जुड़ी वस्तुओं ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। समापन समारोह के दौरान कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने खेड़ी चौपटा में शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा स्थापित करने के लिए दो लाख रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने शहीदों के सम्मान और उनकी स्मृतियों को सहेजने के महत्व को रेखांकित किया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि भारत दुनिया के प्राचीन और विशाल लोकतांत्रिक देशों में शामिल है। देश के इतिहास और संस्कृति को समझने के लिए प्राचीन सभ्यताओं, ऐतिहासिक स्थलों और पुरातात्विक प्रमाणों का अध्ययन महत्वपूर्ण है।

महोत्सव में एक लाख लोगों की भागीदारी रही

नारनौंद । सिंधु-सरस्वती सभ्यता के ऐतिहासिक स्थल राखीगढ़ी में आयोजित सात दिवसीय अंतरराष्ट्रीय राखीगढ़ी महोत्सव में लगभग एक लाख लोगों ने भाग लिया। महोत्सव के दौरान ऐतिहासिक वस्तुओं पर आधारित प्रदर्शनी, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, खेल प्रतियोगिताओं, पारंपरिक हस्तशिल्प और स्वयं सहायता समूहों की स्टॉलों ने आगंतुकों का ध्यान आकर्षित किया। स्थानीय कलाकारों ने हरियाणवी लोक संस्कृति की झलक प्रस्तुत की, वहीं ग्रामीण कारीगरों और उद्यमियों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन का मंच मिला।

न्यूज डायरी



हांसी। राष्ट्रीय मीडिया सह-संयोजक सिद्धार्थ यादव को पगड़ी व गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित करते आयोजन समिति सदस्य।

कांग्रेस के वोट चोरी के आरोप झूठे प्रपंचः सिद्धार्थ यादव

हांसी। भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया सह-संयोजक सिद्धार्थ यादव ने कांग्रेस के वोट चोरी और जनादेश छीनने के आरोपों को झूठा प्रपंच करार दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अलग-अलग माध्यमों से अपने नेता को स्थापित करने का प्रयास कर रही है, जबकि जनता चुनावी प्रक्रिया की वास्तविकता से भली-भांति परिचित है। सिद्धार्थ यादव रविवार को हांसी पहुंचे। कांग्रेस के आरोपों पर सवाल उठाते हुए यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 99 सीटें मिलीं, तब क्या वोट चोरी हुई थी? वहीं, जब पार्टी को 45 सीटें मिली थीं, तब क्या चुनाव प्रक्रिया में सब कुछ ठीक था? उन्होंने कहा कि कांग्रेस के आरोपों में कोई दम नहीं है। जनता जानती है कि धरातल पर कौन काम कर रहा है। उन्होंने भाजपा के पक्ष में जनसमर्थन होने का दावा किया। कार्यक्रम में मनजीत सिंह जमावड़ी, जेसी सर्वेश सैनी, एडवोकेट राजेश रामपुरा, जिला पार्षद यादवेन्द्र, वसुमेर यादव, रतन यादव, संदीप नायक, दीपक सरपंच, बिल्लू सरपंच, चन्द्रभान प्रधान, सुरजीत यादव, नरेश यादव, हरेन्द्र यादव व अनिल बामल सहित काफी संख्या में क्षेत्र के गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

साइबर थाने ने दो लोगों को ठगी के 83 हजार से अधिक वापस दिलवाए

हिसार। साइबर ठगी और गलत बैंक खाते में पैसे ट्रांसफर होने से परेशान दो लोगों को पुलिस की मदद से राहत मिली है। साइबर थाना पुलिस ने दोनों मामलों में कुल 83 हजार 095 रुपये की राशि पीड़ितों के बैंक खातों में वापस करवाने में मदद की। रकम लौटने के बाद दोनों ने पुलिस का आभार जताया। पहले मामले में एक व्यक्ति साइबर ठगी का शिकार हो गया था और उसके 34,200 रुपये निकल गए थे। पीड़ित ने इसकी शिकायत साइबर थाना में दर्ज करवाई। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले में कार्रवाई शुरू की। जांच के दौरान उप निरीक्षक हरजिंदर सिंह ने संबंधित बैंकों से संपर्क कर जरूरी प्रक्रिया पूरी करवाई। इसके बाद पीड़ित की ठगी गई रकम उसके बैंक खाते में वापस करवाने में मदद मिली। दूसरे मामले में एक व्यक्ति ने गलती से 48 हजार 895 रुपये किसी दूसरे व्यक्ति के बैंक खाते में ट्रांसफर कर दिए थे। रकम वापस लेने में परेशानी आने पर उसने साइबर थाना हिसार में शिकायत दी। पुलिस टीम ने शिकायत पर कार्रवाई करते हुए संबंधित बैंक से संपर्क किया। बैंक के साथ समन्वय और आवश्यक प्रक्रिया के जरिए पीड़ित की रकम उसके खाते में वापस करवाने में सफलता मिली। दोनों मामलों में कुल 83 हजार 095 रुपये वापस मिलने से पीड़ितों को आर्थिक राहत मिली है। जिला पुलिस ने लोगों से ऑनलाइन लेन-देन करते समय सतर्क रहने और बैंक खाते, ओटीपी, पासवर्ड जैसी गोपनीय जानकारी किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा नहीं करने की अपील की है।

जिंदल स्टेनलेस के 400 से अधिक कर्मचारियों ने हाफ मैराथन में लिया हिस्सा, स्वस्थ जीवनशैली का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

जिंदल स्टेनलेस ने कर्मचारियों के स्वास्थ्य और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता के तहत हिसार और दिल्ली में आयोजित हाफ मैराथन में 400 से अधिक कर्मचारियों की भागीदारी दर्ज की। हिसार इकाई के 270 से अधिक कर्मचारियों ने रविवार को आयोजित हिसार हाफ मैराथन में हिस्सा लेकर फिटनेस के प्रति उत्साह दिखाया। कर्मचारियों ने 5, 10 और 21 किलोमीटर की दौड़ में भाग लिया। उनके परिवारों और आठ वर्ष या इससे अधिक उम्र के बच्चों ने भी दौड़ में हिस्सा लिया। इस आयोजन ने कर्मचारियों को कार्यस्थल से बाहर एक साथ जुड़ने और शारीरिक सक्रियता के महत्व को समझने का अवसर दिया। जिंदल स्टेनलेस की हिसार इकाई के प्रमुख विजय बिंदलिश ने कहा कि कर्मचारियों का कल्याण उन्हें चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाने के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की हिसार और दिल्ली हाफ मैराथन में उत्साहपूर्ण भागीदारी देखकर खुशी हुई। इस तरह के आयोजन कर्मचारियों को फिट रहने, आपसी मेलजोल बढ़ाने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। इससे पहले, 18 अक्टूबर को आयोजित वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन में कंपनी की हिसार इकाई के 150 से अधिक कर्मचारियों ने भाग लिया था।

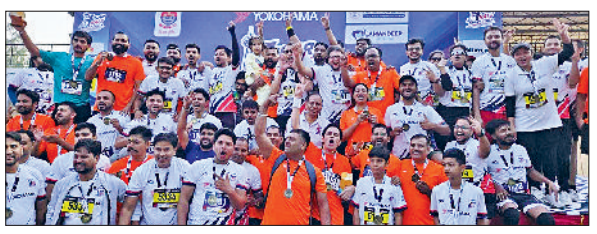

हिसार। हॉफ मैराथन में हिस्सा लेते जिंदल स्टेनलेस के कर्मचारी।

दौड़ प्रतियोगिता में धावकों का दिखा दम

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

निकटवर्ती गांव शेखपुरा स्थित बाबा राजू नाथ स्टेडियम में आयोजित दौड़ प्रतियोगिता में क्षेत्र के विभिन्न गांवों के खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया। 50, 100 और 400 मीटर दौड़ में खिलाड़ियों ने अपनी गति और प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विधायक विनोद भयाना ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतियोगिता का शुभारंभ किया और विजेता खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया। विधायक विनोद भयाना ने कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास, मेहनत और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना मजबूत करते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, जरूरत उन्हें उचित मंच और प्रोत्साहन देने की है। ऐसी प्रतियोगिताएं युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने और आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करती हैं। विधायक ने आयोजकों की पहल की सराहना करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित खेल प्रतियोगिताएं करवाने पर जोर दिया। उन्होंने खिलाड़ियों को मेहनत और लगन से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर राजपाल यादव, सेवानिवृत्त मेजर मांगेराम, बीडीसी सदस्य मुकेश, नवीन ठाकुर, कैप्टन सतपाल, विनोद सैनी, मुकेश लादी और विधायक के निजी सचिव रवि अरोड़ा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।



हांसी। खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर स्वागत करते विधायक विनोद भयाना व अन्य।



हिसार। अग्रसेन भवन में आयोजित स्वास्थ्य एवं अध्यात्म प्रयोगशाला में साधकों को संबोधित करते डॉ. गोपाल शास्त्री तथा कार्यक्रम में उपस्थित साधक।

स्वास्थ्य प्रत्येक मनुष्य की मूलभूत जरूरत : गोपाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

अग्रसेन भवन ट्रस्ट की ओर से आयोजित स्वास्थ्य एवं अध्यात्म प्रयोगशाला के तीसरे दिन बदरी नारायण सेवाग्राम, मेरठ से पहुंचे डॉ. गोपाल शास्त्री ने साधकों को स्वास्थ्य के वास्तविक अर्थ और उसे प्राप्त करने के आध्यात्मिक मार्ग के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य प्रत्येक मनुष्य की मूलभूत आवश्यकता है और हर व्यक्ति स्वस्थ जीवन जीना चाहता है। इसी उद्देश्य से मानव सभ्यता में आयुर्वेद, एलोपैथी, होम्योपैथी, नेचुरोपैथी, योग और एक्यूप्रेशर सहित अनेक चिकित्सा पद्धतियों का विकास हुआ है, लेकिन इसके बावजूद बीमारियों की समस्या लगातार बनी हुई है। डॉ. गोपाल शास्त्री ने कहा कि मनुष्य प्रायः रोगों से मुक्ति पाने के प्रयास में लगा रहता है, जबकि वास्तविक आवश्यकता स्वास्थ्य के स्वरूप को समझने की है। उनके अनुसार, स्वास्थ्य का संबंध केवल रोगमुक्त होने से नहीं, बल्कि स्वयं में स्थित होने से है। जब व्यक्ति अपने भीतर स्थिर होना सीख जाता है, तब वह जीवन को अधिक सहजता और संतुलन के साथ जी सकता है। उन्होंने स्वस्थ जीवन के लिए तीन प्रमुख बातों पर जोर दिया। पहली, प्रकृति के अनुरूप भोजन करना और अपने खानपान में प्राकृतिक आहार को प्राथमिकता देना।

हिसार बना 'क्राइम कैपिटल, पुलिस बेबस : अजय चौटाला

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला ने हिसार में बढ़ती आपराधिक घटनाओं पर चिंता जताते हुए प्रदेश सरकार और पुलिस प्रशासन की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि हिसार धीरे-धीरे क्राइम कैपिटल बनता जा रहा है। शहर में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और आम नागरिकों, व्यापारियों व युवाओं में असुरक्षा का माहौल है। हिसार दौरे के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात के बाद डॉ. चौटाला ने कहा कि शहर में लगातार हो रही फायरिंग, हत्याओं और फिरौती की घटनाएं कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। उन्होंने संत नगर डबल फाटक के पास गत्ता फैक्ट्री मालिक के गोदाम पर बदमाशों द्वारा कई राउंड फायरिंग किए जाने की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि इससे व्यापारियों में दहशत है। वहीं, सालासर धाम से पैदल यात्रा कर लौट रहे एक युवक की चाकू से हमला कर हत्या किए जाने की घटना भी चिंताजनक है। उन्होंने आरोप लगाया कि पेट्रोल पंप संचालकों और अन्य कारोबारियों से पांच करोड़ रुपये तक की फिरौती मांगी जा रही है। चार महीने पहले जिन व्यापारियों से रंगदारी मांगी गई थी, उनके मामले में मुख्य आरोपियों का अब तक गिरफ्तार नहीं होना पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अनिल बालकिया, हांसी जिला अध्यक्ष अमित बूरा, अजीत ओडिएम, जिला प्रवक्ता रवि आहूजा, युवा जिला अध्यक्ष अनिल शर्मा, विजेंदर धानक, हिसार हलका अध्यक्ष विपिन गोयल आदि रहे।





जन्मदिन पर किया पौधरोपण

हिसार। नजदीकी गांव किरतान में 'जन्मदिन पर एक पेड़ जरूर लगाएं' अभियान के तहत भावना खोवाल ने अपने जन्मदिन पर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस पहल की आजाद हिंद युवा क्लब के प्रधान कपूर सिंह आर्य ने सराहना करते हुए घोषणा की कि क्लब गांव में जन्मदिन पर पौधे लगाने के इच्छुक लोगों को निशुल्क पौधे उपलब्ध करवाएगा। कपूर सिंह आर्य ने कहा कि जन्मदिन पर पौधा लगाना खुशी मनाने का एक अनूठा तरीका है। इससे हर साल जन्मदिन पर पौधे की बढ़ती उम्र और विकास को देखकर पुरानी यादें भी ताजा होती हैं।

फाउंडेशन के चेयरमैन राकेश दलाल ने पुरातत्व विभाग के कदम का किया स्वागत

विष्णु प्रतिमा का मस्तक मिलने से जगी पुनर्स्थापना की उम्मीद

11वीं सदी की भगवान विष्णु की प्रतिमा का लापता मस्तक मिलने पर प्रसन्नता जताई

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

मूर्ति रक्षित मूर्ति संरक्षित फाउंडेशन के चेयरमैन राकेश दलाल ने मध्य प्रदेश के खजुराहो स्थित जवारी मंदिर की 11वीं सदी की भगवान विष्णु की ऐतिहासिक प्रतिमा का लापता मस्तक मिलने पर प्रसन्नता जताई है।

उन्होंने इसे भारतीय सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) और केंद्र सरकार का आभार व्यक्त किया। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, मस्तक एएसआई के भंडार में मिला है और विशेषज्ञों की जांच के बाद इसे प्रतिमा से दोबारा जोड़ने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। राकेश दलाल ने कहा कि प्राचीन धरोहरों का संरक्षण और उनका मूल स्वरूप बहाल करने के प्रयास हमारी सांस्कृतिक विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने इस कार्य में सहयोग देने वाले अधिकारियों और संबंधित विभागों के प्रयासों की सराहना की। राकेश दलाल ने पुरातत्व विभाग से आग्रह किया कि प्रतिमा के मस्तक को विशेषज्ञों की देखरेख में पुनः जोड़ने के बाद भारतीय सनातन परंपराओं के अनुरूप विधिवत प्रतिष्ठा की प्रक्रिया पर विचार किया जाए। उन्होंने 24 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर मंदिर परिसर में पूजा-अर्चना करने और दीप प्रज्वलित करने की अनुमति देने की मांग भी की है। उन्होंने बताया कि फाउंडेशन की ओर से कार्तिक पूर्णिमा पर 'एक दीप एक संकल्प' अभियान को देश-विदेश तक पहुंचाने की तैयारी की जा रही है। इसके तहत लोगों से अपने घरों और मंदिरों में एक दीप जलाकर भारतीय सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के प्रति संकल्प लेने की अपील की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट में भी उठाया था प्रतिमा के संरक्षण का मुद्दा



राकेश दलाल ने बताया कि उन्होंने खजुराहो की विष्णु प्रतिमा के संरक्षण और पुनर्स्थापना की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर की थी। उपलब्ध अदालती रिपोर्टों के अनुसार, डायरी नंबर 32820/2025 वाली याचिका में प्रतिमा के पुनर्निर्माण अथवा बहाली की मांग उठाई गई थी, लेकिन अदालत ने मामले को पुरातत्व विभाग के अधिकार क्षेत्र से जुड़ा मानते हुए याचिका खारिज कर दी थी। दलाल ने कहा कि इसके बाद भी उन्होंने प्रतिमा के संरक्षण और प्राचीन कलाकृतियों की सुरक्षा का मुद्दा उठाना जारी रखा। उन्होंने प्रतिमा के मस्तक के गायब होने की परिस्थितियों और प्राचीन कलाकृतियों की कथित तस्करी की आशंका की जांच के लिए केंद्रीय गृह मंत्री और संस्कृति मंत्री को पत्र लिखकर सीबीआई जांच की मांग की है। राकेश दलाल ने बताया कि उन्होंने 'एक दीप एक संकल्प' अभियान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाने के उद्देश्य से यूनेस्को के निदेशक को भी पत्र लिखकर सहयोग की अपील की है। उन्होंने आमजन से 24 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर अपने घरों और मंदिरों में एक दीप प्रज्वलित कर अभियान से जुड़ने तथा भारतीय सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया।

कॉंग्रेस के वॉर रूम अध्यक्ष बने कृष्ण सातरोड़



हिसार। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) ने उत्तराखंड विधानसभा चुनाव की तैयारियों को गति देने के उद्देश्य से कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय सचिव एवं हिसार जिला परिषद के पूर्व सदस्य कृष्ण सातरोड़ को पार्टी के वॉर रूम अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है। इस नियुक्ति के साथ ही सातरोड़ उत्तराखंड में चुनाव संबंधी गतिविधियों के समन्वय, संगठनात्मक तैयारियों और पार्टी की चुनावी रणनीति को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएंगे। कृष्ण सातरोड़ ने अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत कांग्रेस के छात्र संगठन भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) से की थी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 7988727916, 9315429403, 9253681005